UNIVERSITY NEWS 14 APRIL 2026

DAINIK JAGRAN

सेल्फ फाइनेंस कोर्सों के शिक्षकों को न्यूनतम 57,700 रुपये

विश्वविद्यालय में कुलपति की अध्यक्षता में कार्य परिषद की बैठक

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की बैठक में शिक्षक कल्याण से जुड़ा बड़ा निर्णय लिया गया। तय हुआ कि स्ववित्तपोषित कार्यक्रमों में विधिवत चयन प्रक्रिया से नियुक्त शिक्षकों को अब यूजीसी वेतनमान के प्रवेश स्तर 57,700 पर रखा जाएगा। इस निर्णय से लवि में कार्यरत करीब 200 सेल्फ फाइनेंस शिक्षकों को इसका लाभ होगा। पिछले काफी समय से शिक्षक इस मांग को पूरी किए जाने की आस लगाए बैठे थे। हाल ही में हुई वित्त समिति के बाद अब कार्य परिषद ने भी अपनी सहमति दे दी है।

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय ने बी.एससी इन कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिफिजिक्स नाम से नया स्नातक कार्यक्रम शुरू करने की मंजूरी दी। इस प्रकार लखनऊ विश्वविद्यालय भारत का पहला सरकारी विश्वविद्यालय बन गया है जो ऐसा पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। वर्तमान में ऐसे कार्यक्रम केवल भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान तथा कुछ निजी विश्वविद्यालयों जैसे अशोका विश्वविद्यालय में उपलब्ध हैं।

एलएलबी में नया पदक और छात्रवृति भी : कार्य परिषद ने तीन वर्षीय एल.एल.बी. कार्यक्रम के छात्र-छात्राओं के लिए एक नया पदक और 1,00,000 की वार्षिक छात्रवृत्ति की स्थापना को भी मंजूरी दी गई। यह पुरस्कार लक्ष्मी सिंह ने अपने पिता, स्वर्गीय इन्द्र देव सिंह की स्मृति में स्थापित किया है, ताकि शैक्षणिक उत्कृष्टता को मान्यता दी जा सके और मेधावी विद्यार्थियों को सहयोग मिल सके। अंतर्विषयक शिक्षा को और सुदृढ़ करते हुए विश्वविद्यालय ने एम.एससी इन वाइल्डलाइफ साइंसेज की शुरुआत को मंजूरी दी गई है। यह पाठ्यक्रम किसी भी विषय से स्नातक विद्यार्थियों के लिए खुला रहेगा, जिससे पर्यावरण और संरक्षण अध्ययन में विविध भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संस्थानों को संबंधित संकायों से औपचारिक रूप से जोड़ा है, ताकि बेहतर शैक्षणिक एकीकरण और प्रशासनिक समन्वय सुनिश्चित हो सके। अभी संस्थान स्वतंत्र रूप से चल रहे थे, जिनका कार्यकरण बीओजी द्वारा किया जाता था।

ये भी निर्णय : लवि में एआइ स्टीयरिंग समिति के गठन को मंजूरी दी गई है। संस्थागत नैतिकता समिति का गठन किया गया है, ताकि अनुसंधान व संस्थागत प्रथाओं में नैतिक मानकों को बनाया जा सके। इसके बिना मानविकी विषयों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध कार्य नहीं हो सकता है। वहीं, पीएम-उषा ढांचे के अंतर्गत कार्य परिषद के दो सदस्यों को बोर्ड आफ गवर्नर्स में शामिल किया गया है, जिससे शासन और राष्ट्रीय उच्च शिक्षा पहलों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित होगा।

परीक्षा फार्म भरने की तिथि 16 तक बढ़ी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षाओं के आनलाइन फार्म भरने की तिथि 16 अप्रैल तक बढ़ा दी है। अभी तक 13 अप्रैल तक समय दिया गया था। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने विस्तृत सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की है। वि.

चार कोर्सों के परिणाम जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को बीसीए, पीजी डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन, पीजी डिप्लोमा इन रिप्रोडेक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ एवं पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिस्क रिडक्शन प्रथम सेमेस्टर के परिणाम जारी किए। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिणाम देख सकते हैं। वि.

लखनऊ विश्वविद्यालय में हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं

लखनऊ : अग्निशमन दिवस की पूर्व संध्या पर लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अग्निशमन से संबंधित क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग एवं अग्नि सुरक्षा पर आधारित जागरुकता सत्र प्रमुख रहे। इस अवसर पर प्रो. बीडी सिंह, डा. आरके सिंह, प्रो. डा. कौशलेंद्र सिंह एवं प्रो. डा. नितिन सिंह आदि उपस्थित रहे। वि.

NBT

वाइल्ड लाइफ मे एमएससी पाठ्यक्रम की भी होगी शुरुआत

कंप्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स पढ़ाएगा LU

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय अब स्पेस साइंस की भी पढ़ाई कराने जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नए सत्र से 'बीएससी इन कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स नामक अनूठा स्नातक कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इसी के साथ एलयू देश का पहला राज्य विवि है जो यह पाठ्यक्रम संचालित करेगा। भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के अलावा कुछ निजी संस्थानों में ही इसकी पढ़ाई होती। एलयू के इस कदम से अब राजधानी के छात्र भी अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में करियर बना सकेंगे। इसके अलावा एलयू में अब वाइल्ड लाइफ में एमएससी पाठ्यक्रम भी संचालित किया जाएगा। विवि सोमवार को कार्यपरिषद की बैठक में इसे शुरू करने की मंजूरी दी गई है।

बैठक में इंटर डिसिप्लिनरी एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने एमएससी इन वाइल्डलाइफ साइंसेज को भी मंजूरी दी है। इस कोर्स की खासियत यह है कि किसी भी विषय से स्नातक करने वाले छात्र इसमें प्रवेश ले सकेंगे। इसके अलावा, उभरती हुई तकनीकों को शिक्षा और प्रशासन में शामिल करने के लिए AI स्टीयरिंग समिति के गठन पर भी मुहर लगाई गई है। कैंपस में एआई को इंप्लिमेंट करने के लिए यह कमिटी अब फैसले लेगी ताकि एआई को पूरी तरह क्रियान्वित किया जा सके।

लॉ में नया मेडल

बैठक में तीन वर्षीय एलएलबी छात्रों के लिए एक नया मेडल भी शुरू किया गया है। आईपीएस लक्ष्मी सिंह की ओर से अपने पिता स्वर्गीय इंद्र देव सिंह की स्मृति में इस मेडल को शुरू किया गया है। मेडल के अलावा छात्रों को एक लाख रुपये की स्कॉलरशिप भी दी जाएगी। यह राशि भी आईपीएस लक्ष्मी सिंह की ओर से दी जाएगी।

नेशनल में बीबीए, बीकॉम के नए कोर्सों को मंजूरी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: नेशनल पीजी कॉलेज में अब इंटर्नशिप आधारित पाठ्यक्रम शुरू किये जाएंगे। कॉलेज में सोमवार को अकैडमिक काउंसिल की बैठक हुई। इसमें अप्रेंटिसशिप इंबेडेड डिग्री प्रोग्राम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत कॉलेज में बीबीए (लॉजिस्टिक्स) और बी.एससी. (डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स) को शुरू किया जाएगा। इसमें पढ़ाई के साथ-साथ छात्र अप्रेंटिसशिप यानी ट्रेनिंग भी करेंगे। इस दौरान उन्हें स्टाइपेंड भी दिया जाएगा।

कॉलेज के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। कॉलेज में अब पीजी स्तर पर इतिहास विषय शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए एम.ए. (इतिहास) शुरू करने की मंजूरी दी गई है। वहीं वाणिज्य संकाय के छात्रों के लिए भी वैश्विक मानकों वाले बी.कॉम. (CFA) और बी.कॉम. (ACCA) पाठ्यक्रम शुरू किये जाएंगे। हालांकि इनमें अगले सत्र से दाखिले लिये जाएंगे। पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) और सतत विकास लक्ष्य (SDG) के घटकों को भी शामिल किया है।

शिक्षकों का वेतन बढ़ा

कार्य परिषद ने शिक्षक कल्याण की दिशा एक बड़ा निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय के सेल्फफाइनेंस कोर्सों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को अब यूजीसी के मानकों के मुताबिक वेतनमान दिया जाएगा।

HINDUSTAN

एक छात्र का पुराना सामान दूसरा ले सकेगा

स्टार्टअप

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के छात्र अनिकेत दुबे ने अपने नए यूनीसाइकिल स्टार्टअप से विश्वविद्यालय के स्टूडेंट को जोड़ने का काम किया है। स्टार्टअप में पुराने उत्पाद को खरीदने और बेचने का काम होता है। विश्वविद्यालय के छात्र पुराना सामान दूसरे छात्र को बेच सकते हैं।

बीबीए प्रथम वर्ष के छात्र अनिकेत ने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्र शहर और शहर के बाहर से पढ़ने आते हैं। जब छात्र आते हैं तो वे कुर्सी, मेज, गैस, टेबल फैन, फोन, टैबलेट, लैपटॉप, मोबाइल समेत अन्य इस्तेमाल की चीजे खरीदते हैं और पढ़ाई पूरी होने पर जब किसी अन्य कॉलेज या घर वापस जाते हैं तो सारी चीजे साथ नही ले जा पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ नए आने वाले छात्रों को भी सामान की आवश्यकता होती है। इसे देखते हुए इस स्टार्टअप का आइडिया आया। जिसके लिए हम स्टूडेंट्स से सम्पर्क करते हैं। अनिकेत ने बताया कि जिसे सामान बेचना हो या खरीदना हो। जिन्हे अपना कोई सामान बेचना होता है, उसकी लिस्टिंग हम अपनी वेबसाइट पर करते हैं। जहां से ये स्टूडेंट आपस में कनेक्ट करते हैं।

सभी विश्वविद्यालयों को जोड़ेंगे: अनिकेत

अनिकेत दुबे ने बताया कि शुरुआत लखनऊ विश्वविद्यालय से हुई है। आने वाले समय में हम शहर के अन्य विश्वविद्यालयों को भी जोड़ेंगे। हमारा उद्देश्य के देश के टॉप 50 विश्वविद्यालयों को यूनिसाइकिल से जोड़ना है। अनिकेत के स्टार्टअप को कई विश्वविद्यालयों के हैकथॉन में पुरस्कार मिल चुके हैं।

AMAR UJALA

लविवि : रोजगार के लिए आज करें आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए विप्रो कंपनी में रोजगार पाने का मौका है। लविवि की प्लेसमेंट सेल ने 100 पदों पर आवेदन मांगे हैं। ये आवेदन 14 अप्रैल की शाम पांच बजे तक लिए जाएंगे। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 16 व 17 अप्रैल को जानकीपुरम कैंपस में होगा। सुबह नौ बजे से पहुंचना होगा। अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बी.कॉम, बीए, बीएचएम और बीएससी के विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर भर्ती की जाएगी। 3.75 लाख प्रति वर्ष (सीटीसी) पैकेज दिया जाएगा। आवेदन के लिए इस लिंक https://forms.gle/D6VzmUBnMYSNYhox7 पर जाना होगा। (संवाद)

अब 16 अप्रैल तक भरें परीक्षा फॉर्म

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक और डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने का एक और मौका दिया है। अब 16 अप्रैल तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। इससे पहले फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 13 अप्रैल थी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि सम सेमेस्टर जून 2026 के नियमित, बैक पेपर, इंप्रूवमेंट व एग्जेमटेड परीक्षा फॉर्म जो विद्यार्थी नहीं भर सके हैं उन्हें ये मौका दिया गया है। फॉर्म भरने के लिए वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जाना होगा। वहीं, विश्वविद्यालय के नियमित छात्रों को केवल ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरकर सेमेस्टर की शुल्क रसीद के साथ विभागाध्यक्ष कार्यालय में 18 अप्रैल तक जमा करना है। (संवाद)

सेकंड हैंड बाजार से खरीदें किताबें

लखनऊ। लखनऊ विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस के छात्र अनिकेत दुबे ने 'यूनीसाइकिल' नाम से ऐसा स्टार्टअप शुरू किया है, जो कैंपस के भीतर ही सेकंड-हैंड सामान के खरीदने व बेचने को आसान बनाएगा। इस प्लेटफॉर्म के जरिये विश्वविद्यालय परिसर में ही छात्र किताबें, नोट्स, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रोजमर्रा की अन्य जरूरी चीजें अपने ही साथियों से खरीद और बेच सकते हैं। इस पहल को लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज की इनक्यूबेशन सेल का सहयोग मिला है। डॉ. जेड मेहदी इसके मेंटर हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

एलयू सम सेमेस्टर परीक्षा फार्म अब 16 तक भरें

एलयू ने सम सेमेस्टर परीक्षा फार्म भरने की अन्तिम तिथि 16 अप्रैल तक बढ़ा दी है। परीक्षा नियंतत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि सम सेमेस्टर परीक्षा जून 2026 के नियमित, बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट एवं एग्जेमटेड परीक्षा (यूजी-पीजी द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को छोड़) के ऑनलाइन फार्म भरे जाएंगे।

HINDUSTAN

एलयू कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स इन बीएससी शुरू करने वाला पहला सरकारी विवि

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी और एमएससी में दो नए कोर्स मंजूर

कार्य परिषद

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक सोमवार को हुई। जिसमें शैक्षिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और संस्थागत सुशासन को सुदृढ़ करने के लिए निर्णय लिए गए।

कार्य परिषद की बैठक में बीएससी इन कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स नामक नया स्नातक कार्यक्रम शुरू करने की मंजूरी दी। लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला सरकारी विश्वविद्यालय बन गया है जो ऐसा पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। वर्तमान में ऐसे कार्यक्रम केवल भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान तथा कुछ निजी जैसे अशोका विश्वविद्यालय में उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे पाठ्यक्रम मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट टेक्नोलॉजी, हार्वर्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख संस्थानों में संचालित हैं। इसके साथ ही अंतर्विषयक शिक्षा को और सुदृढ़ करते हुए विश्वविद्यालय ने एम.एससी. इन वाइल्डलाइफ साइंसेज की शुरुआत को मंजूरी दी है।

01 लाख की वार्षिक छात्रवृति की स्थापना को भी मंजूरी जो लॉ के विद्यार्थियों को मिलेगी

पर्यावरण और संरक्षण अध्ययन में विविध भागीदारी को प्रोत्साहन

यह पाठ्यक्रम किसी भी विषय से स्नातक छात्रों के लिए खुला रहेगा, जिससे पर्यावरण और संरक्षण अध्ययन में विविध भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा। एक अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय में विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक संस्थानों को संबंधित संकायों से औपचारिक रूप से जोड़ा गया है ताकि शैक्षणिक एकीकरण और प्रशासनिक समन्वय सुनिश्चित हो सके।

यूजीसी वेतनमान

कार्य परिषद मे शिक्षक कल्याण से जुड़ा एक बड़ा निर्णय लिया गया। वित्तपोषित कार्यक्रमो मे विधिवत चयन प्रक्रिया से नियुक्त शिक्षको को अब यूजीसी वेतनमान के प्रवेश स्तर ₹57,700 पर रखा जाएगा।

एलएलबी में नया पदक और छात्रवृत्ति

परिषद ने तीन वर्षीय एल.एल.बी. के छात्रों के लिए नया पदक और ₹1,00,000 की वार्षिक छात्रवृत्ति की स्थापना को भी मंजूरी दी। पुरस्कार लक्ष्मी सिंह द्वारा अपने पिता, स्वर्गीय इन्द्र देव सिंह की स्मृति मे स्थापित किया गया है ताकि शैक्षणिक उत्कृष्टता को मान्यता दी जा सके और मेधावी छात्रों को सहयोग मिल सके।

एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय मे सभी शैक्षणिक संस्थानो को संबंधित संकायो से औपचारिक रूप से जोड़ा गया है ताकि बेहतर शैक्षणिक एकीकरण और प्रशासनिक समन्वय सुनिश्चित हो सके। अभी तक ये संस्थान स्वतंत्र रूप से चल रहे थे जिनका कार्यकरण बीओजी द्वारा किया जाता था। कार्य परिषद ने एआई स्टीयरिंग समिति के गठन को भी मंजूरी दी है जो उभरती प्रौद्योगिकियों को शिक्षा और प्रशासन मे समाहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही संस्थागत नैतिकता समिति का गठन किया गया है ताकि अनुसंधान और संस्थागत प्रथाओं मे नैतिक मानको को बनाए रखा जा सके। इस कमेटी के बिना मानविकी विषयों मे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकाशन और शोध नहीं हो सकता है।

HINDUSTAN TIMES

LU's academic expansion reaches for the stars

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Lucknow University's executive committee approved a slew of academic, administrative initiatives on Monday, most notably launching a bachelor of science (BSc) in computational astrophysics that makes it the first public university in India to offer such a program.

Computational astrophysics courses teach numerical techniques to simulate complex astronomical phenomena such as galaxy formation, star evolution, black hole collisions that cannot be solved analytically.

The new undergraduate course joins a graduate program in Wildlife Sciences that will welcome students from any discipline. Both approvals signal the university's push toward interdisciplinary education, according to vice-chancellor prof. JP Saini.

"By launching this course, LU became the first public university in India to offer such a course. Currently, such programs are available only at the Indian Institute of Space Science Technology, the Indian Institute of Science, the Indian Institute of Science Education Research, plus a few private universities such as Ashoka University," Saini said.

Globally, leading institutions including the Massachusetts Institute of Technology, Harvard University, University of California Berkeley, University of Oxford, University of Cambridge offer comparable programs.

The university also formally linked all academic institutions to their respective faculties for better integration. Previously, these institutions operated independently under their Board of Governors.

The council constituted an AI Steering Committee to integrate emerging technologies into education, administration. An Institutional Ethics Committee will maintain ethical standards in research, institutional practices to boost international-level research publications in humanities subjects.

The executive body approved a new medal along with a Rs 100,000 annual scholarship for three-year law degree students. Lakshmi Singh established the award in memory of her father, the late Indra Dev Singh, to recognise academic excellence among meritorious students.

Teachers hired through proper selection in self-financed programs will now be placed at the UGC pay scale entry level of Rs 57,700.

AMRIT VICHAR

नए कोर्स, वेतनमान और एआई समिति को मंजूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद में कई अहम फैसले

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और संस्थागत सुशासन को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

शिक्षक कल्याण से जुड़े एक अहम निर्णय के तहत स्ववित्तपोषित कार्यक्रमों में विधिवत चयन प्रक्रिया से नियुक्त शिक्षकों को यूजीसी वेतनमान के प्रवेश स्तर 57,700 रुपये पर रखने का निर्णय लिया गया। इससे शिक्षकों में समानता और प्रेरणा बढ़ने की उम्मीद है।

बैठक में बी.एससी. इन कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स नामक नए स्नातक कार्यक्रम को मंजूरी दी गई, जिससे विश्वविद्यालय देश का पहला सरकारी संस्थान बन गया है जो यह पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इसके साथ ही तीन वर्षीय एलएलबी कार्यक्रम के छात्रों के लिए नया पदक और एक लाख रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति स्थापित करने को भी स्वीकृति दी गई।

अंतर्विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एमएससी इन वाइल्डलाइफ साइंसेज कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया, जो किसी भी विषय से स्नातक छात्रों के लिए खुला रहेगा। साथ ही विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक संस्थानों को संबंधित संकायों से औपचारिक रूप से जोड़ने का फैसला लिया गया, जिससे बेहतर समन्वय सुनिश्चित हो सके।

कार्य परिषद ने एआई स्टीयरिंग समिति और संस्थागत नैतिकता समिति के गठन को भी मंजूरी दी। इन समितियों के माध्यम से शिक्षा, प्रशासन और शोध कार्यों में आधुनिक तकनीकों और नैतिक मानकों को बढ़ावा दिया जाएगा। पीएम-उषा ढांचे के तहत कार्य परिषद के दो सदस्यों को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में शामिल करने का भी निर्णय लिया गया।

ये सभी निर्णय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक संरचना और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

TIMES OF INDIA

LU EC approves two new courses

Times News Network

Lucknow: The executive council (EC) of Lucknow University (LU) on Monday approved the proposal to introduce BSc in computational astrophysics with 75 seats and MSc in wildlife sciences with 30 seats from the next session.

LU spokesperson Mukul Srivastava said LU has become the first govt university in India to offer BSc in computational astrophysics. The course will include the study of physics, mathematics, programming, data analysis, space science, cosmology and computational modelling to understand celestial bodies and the universe.

In wildlife sciences, the programme will cover wildlife biology, ecology, biodiversity conservation, forest management, environmental laws, climate change studies and field-based research, aiming to build strong expertise in conservation and sustainability, he added.

The EC also approved the institution of a new medal and an annual scholarship of Rs 1 lakh for the topper of the three-year LLB programme.

The council also approved the formation of an AI steering committee to integrate emerging technologies in education and administration. An institutional ethics committee has also been constituted to maintain ethical standards in research and institutional work. This step is expected to improve research quality and support international-level publications.

Software to check plagiarism in papers

Lucknow: The Lucknow University (LU) has introduced Turnitin software, replacing the DrillBit to check plagiarism in research papers submitted by PhD scholars and undergraduate (UG) and postgraduate (PG) students. The initiative has been implemented in accordance with the guidelines of the university grants commission (UGC) to improve research work in the university. TOI had recently highlighted how Drillbit had caught plagiarism in 95% PhD theses submitted in this academic year. In most cases, students had data and texts generated from artificial intelligence (AI) based apps. In Drillbit, plagiarism was caught after the thesis was submitted. Now, after implementation of Turnitin, the research papers and thesis will be first checked and then admitted, said LU spokesperson, Mukul Srivastava.

I NEXT

एलयू ने दिया प्लेसमेंट का फिर बेहतर मौका

16 और 17 अप्रैल को सेकंड कैंपस में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

LUCKNOW (13 APRIL): लखनऊ यूनिवर्सिटी और संबद्ध महाविद्यालयों के वर्ष 2026 बैच के ग्रेजुएशन के स्टूडेंट्स के लिए विप्रो कंपनी में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 16 एवं 17 अप्रैल को यूनिवर्सिटी के सेकंड कैंपस में किया जाएगा. अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि विप्रो में बीसीए, बीबीए, बीकाम, बीए, बीएचएम तथा बीएससी (गणित/सांख्यिकी/अर्थशास्त्र आनर्स को छोड़कर) कोर्सों के स्टूडेंट कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद के लिए आवेदन कर सकते हैं.

अच्छे पैकज संग इंसेंटिव

चयनित अभ्यर्थियों को 3.75 लाख रुपए प्रति वर्ष (सीटीसी) के साथ इंसेंटिव्स भी दिया जाएगा. इसके अलावा उच्च शिक्षा के लिए सहायता कार्यक्रम का लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा. इच्छुक एवं पात्र स्टूडेंट दिए गए लिंक https://forms.gle/D6VzmUBnMYSNYhox7 के माध्यम से 14 अप्रैल को शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकते हैं. उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टाक, एचआर स्क्रीनिंग तथा वायस एवं एक्सेंट राउंड शामिल होंगे.

AMAR UJALA

लखनऊ विवि में होगी एस्ट्रोफिजिक्स की पढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब एस्ट्रोफिजिक्स (खगोल भौतिकी) जैसे अति आधुनिक विज्ञान की पढ़ाई शुरू होने जा रही है। विवि प्रशासन का दावा है कि स्नातक स्तर पर कंप्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स की पढ़ाई शुरू करने वाला यह देश का पहला सरकारी विश्वविद्यालय बनने जा रहा है।

बता दें कि एस्ट्रोफिजिक्स खगोल विज्ञान की वह शाखा है, जिसमें विद्यार्थी तारों, ग्रहों, आकाशगंगाओं, ब्लैक होल और अन्य आकाशीय पिंडों की संरचना और उनके भौतिक लक्षणों का अध्ययन करते हैं। अब तक ऐसे पाठ्यक्रम भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान व अशोका विश्वविद्यालय जैसे चुनिंदा संस्थानों में ही उपलब्ध थे।

सोमवार को हुई लविवि की कार्य परिषद की बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध और प्रशासनिक सुधार को लेकर कई अहम फैसले लिए गए। स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में चयनित शिक्षकों को अब यूजीसी वेतनमान के प्रवेश स्तर 57,700 रुपये पर रखा जाएगा।

साथ ही एमएससी इन वाइल्डलाइफ साइंसेज पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा, जो किसी भी विषय के स्नातकों के लिए खुला रहेगा। विवि के सभी संस्थानों को संबंधित संकायों से जोड़ने का निर्णय लिया गया। वहीं, तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए एक नए पदक और एक लाख रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति की स्थापना को मंजूरी दी गई। यह पहल लक्ष्मी सिंह की ओर से अपने पिता स्वर्गीय इंद्र देव सिंह की स्मृति में की गई है। बैठक में एआई स्टीयरिंग समिति और संस्थागत नैतिकता समिति के गठन को भी मंजूरी दी गई। पीएम-उषा के तहत दो सदस्यों को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में शामिल किया गया।

शिक्षकों को यूजीसी वेतनमान, एलएलबी के छात्रों को नई छात्रवृत्ति की सौगात

DAINIK JAGRAN

• • आम्बेडकर जयंती पर माल्यार्पण, मालवीय हाल के सामने, सुबह 10 बजे।

मिला प्लेसमेंट का मौका

लखनऊ : एलयू एवं संबद्ध महाविद्यालयों के वर्ष 2026 बैच के स्नातक विद्यार्थियों के लिए विप्रो कंपनी में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 16 एवं 17 अप्रैल को द्वितीय परिसर में किया जाएगा। अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया।